कसो तज्यो रे लाडिला भइया रे मख सिंगाजी भजन

कसो तज्यो रे लाडिला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाड़िला,
मनरंग अपराध कैला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाड़िला।bd।

मारग म तुन दर्शन दीयो,
गुरुजी आये देश में,
भली सुनाई बात,
जब लग दर्शन ना भए,
तब लग निकसे न प्राण।
मारग म तुन दर्शन दीयो,
गाय भैंस संग मिला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाड़िला।bd।

मैं अपराधी कछु ना जान्यो,
पत्ता टूटा डाल से,
ले गई पवन उड़ाय,
अब के बिछड़े कब मिले,
दूर बसेंगे जाय।
मैं अपराधी कछु ना जान्यो,
कुड़ा वचन हम बोला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाड़िला।bd।

मूंदी परघनो नगर पिपल्यो,
जैसे तरुवर पात की,
कैसी इनकी प्रीत,
एक दिन तो बिछुड़ना पड़ेगा,
ये है जग की रीत।
मूंदी परघनो नगर पिपल्यो,
नही मिलग असो चेला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाड़िला।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सब देवन मे देव बड़ो है,
छोड़ी गयो रे अकेला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाड़िला।bd।

कसो तज्यो रे लाडिला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाड़िला,
मनरंग अपराध कैला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाड़िला।bd।

प्रेषक – प्रमोद पटेल।
यूटचूब पर – 1.निमाड़ी भजन संग्रह।
2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा
9399299349

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com